BSEH Marking Scheme (March 2024)

Code : A

खंड - क (वस्तुनिष्ठप्रश्न) **1×21=21**

Section-A (Objective Questions)

प्रश्न 1.(ब) सिंधु नदी

प्रश्न 2.(ब) धोलावीरा

प्रश्न 3.(स)चंद्रगुप्त मौर्य

प्रश्न 4. (द) 1813 ई0

प्रश्न 5. (अ)1829 ई0

प्रश्न 6. (ब)कुंवर सिंह

प्रश्न 7. (अ) मोहम्मद अली

प्रश्न 8. (ब) 13 दिसम्बर 1946

प्रश्न 9. 1942 ई0

प्रश्न 10. बुद्ध, धम्म, संघ

प्रश्न 11. ब्राह्मण

प्रश्न 12. रामानंद

प्रश्न 13. अर्थशास्त्र

प्रश्न 14. ब्राह्मी लिपि, खरोष्ठी लिपि

प्रश्न 15. 200ई0पू0, 200 ई0

प्रश्न 16. 1336 ई0

प्रश्न 17. तुंगभद्रा

प्रश्न 18. अराविडु

प्रश्न 19. अ

प्रश्न 20. द

प्रश्न 21. द

Question 1. (b) Indus River

Question 2. (b) Dholavira

Question 3. (c) Chandragupta Maurya

Question 4. (d) 1813 AD

Question 5. (a) 1829 AD

Question 6. (b) Kunwar Singh

Question 7. (a) Mohammad Ali

Question 8. (b) 13 December 1946

Question 9. 1942 AD

Question 10. Buddha, Dhamma, Sangha

Question 11. Brahmin

Question 12. Ramanand

Question 13. Arthsastra

Question 14. Brahmi script, Kharosthi script

Question 15. 200 BC, 200 AD

Question 16. 1336 AD

Question 17. Tungabhadra

Question 18. Aravidu

Question 19. A

Question 20. D

Question 21. D

खंड - ख (लघु उत्तरीय प्रश्न) **3×6=18**

Section-B (Short Answer Questions)

प्रश्न 22.

1. भारतीय संस्कृति तथा हिन्दू धर्म के विकास का लेखा जोखा है।
2. यह एक बहुआयामी ग्रंथ है।
3. समाज के सभी अंग जैसे राजनीति, धर्म, दर्शन तथा आदर्श की झलक मिलती है।
4. इसमें युद्ध व शांति, सदगुण व दुर्गुण की व्याख्या की गई है।
5. भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। रूपक कथाएँ संभवतः काल्पनिक है।

1. There is an account of the development of Indian culture and Hindu religion.
2. It is a multidimensional book.
3. All parts of the society like politics, religion, philosophy and ideals are reflected.
4. War and peace, virtues and vices have been explained in it.
5. There is an important loss in Indian history. The allegorical stories are probably imaginary.

अथवा/OR

1. यह तत्कालीन समाज के नियमों तथा प्रथाओं का वर्णन करता है।
2. इसका प्रभाव आज भी हिंदुओं की जीवन शैली में दिखाई देता है।
3. मनुस्मृति ने समकालीन समाज के लोगों के दृष्टिकोण के बारे में बताया है।

1. It describes the rules and customs of the contemporary society.

2. Its influence is visible even today in the lifestyle of Hindus.

3. Manusmriti has told about the viewpoint of the people of the contemporary society.

प्रश्न 23. धर्म चक्रप्रवर्तन"का अर्थ है, धर्म के चक्र को घुमाना । ज्ञान प्राप्ति के बाद महात्मा बुद्ध ने वाराणसी के पास सारनाथ के मृगदाव में मृगदाद में आषाढ़ पूर्णिमा को अपना जो प्रथम धर्मोपदेश दिया, उसे "धर्म चक्रप्रवर्तन"के नाम से जाना जाता है।

Dharma Chakrapravartan means turning the wheel of religion. After attaining enlightenment, the first sermon that Mahatma Buddha gave on Ashadha Purnima at Mrigadava in Sarnath near Varanasi is known as "Dharma Chakrapravartan".

प्रश्न 24.

(1) अकबर के साम्राज्य का झलक दर्शाना।

(2) सैनिक संगठन का वर्णन करना।

(3) सरकार के विभागों और प्रान्तों के बारे में विस्तार से जानकारी देना।

(4) राजस्व के स्त्रोत तथा हिसाब रखना।

(5) खेतिहर समाज का वर्णन करना।

(1) To show a glimpse of Akbar's empire.

(2) To describe the military organization.

(3) To give detailed information about government departments and provinces.

(4) Sources of revenue and keeping accounts.)

(5) To describe the agricultural society.

प्रश्न 25. भूमिकर या लगान इकट्ठा करने की प्रथा जो 1793 में अंग्रेजी गवर्नर जनरल लार्ड कार्नवालिस(1786-1793) ने चलाई उसे स्थायी बंदोबस्त कहते

हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत भूमि जमीदारों को स्थायी रूप से दे दी गई इस भूमि कर व्यवस्था को स्थायी बंदोबस्त का नाम दिया गया।

The practice of collecting land tax or revenue, which was started by the English Governor General Lord Cornwallis (1786-1793) in 1793, is called Permanent Settlement This

Under the system, the land was permanently given to the landlords and tax was collected on this land.

The arrangement was named Permanent Settlement.

प्रश्न 26. किताब उल –हिन्द"की रचना अल बिरूनी ने की। इसकी मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार है-

1. यह किताब अरबी में लिखी गई है।
2. इसकी भाषा सरल और स्पष्ट है।
3. यह एक विस्तृत ग्रंथ है जो सामाजिक और धार्मिक जीवन, दर्शन खगोल विज्ञान कानून आदि विषयों पर लिखी गई हैं।
4. इसे विषयों के आधार पर अस्सी अध्यायो में विभाजित किया गया है।
5. प्रत्येक अध्याय का आरम्भ एक प्रश्न से होता है और अंत में संस्कृतवादी परमपराओं के आधार पर उसका वर्णन किया गया है।

"Kitab ul-Hind" was composed by Al Biruni. Its main features are as follows-

1. This book is written in Arabic.
2. Its language is simple and clear.
3. This is a detailed book written on subjects like social and religious life, philosophy, astronomy, law etc.
4. It is divided into eighty chapters on the basis of topics.
5. Each chapter starts with a question and at the end it is described on the basis of Sanskrit traditions.

प्रश्न 27.

1. अल बिरूनी, ग्यारहवी शताब्दी में उज्बेकिस्तान से आया था।

2. इब्न बतूता चौदहवी शताब्दी में मोरक्कों से आया था।

3. फ्रांस्वा बर्नियर, सत्रहवीं शताब्दी में फ्रांस से आया था।

1. Al Biruni, came from Uzbekistan in the eleventh century.

2. Ibn Battuta came from Morocco in the fourteenth century.

3. François Bernier, came from France in the seventeenth century.

अथवा/OR

1. प्रभुता सम्पन्न स्वतंत्र भारत की स्थापना और उसके सभी भागों और सरकार के अंगो को सभी प्रकार की शक्ति और अधिकार जनता से प्राप्त होना।

2. भारत के सभी लोगों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, पद, अवसर और कानून के समक्ष समानता, कानून औरसार्वजनिक नैतिकता के अंतर्गत विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, निष्ठा, पूजा, व्यवसाय, संगठन और कार्य की स्वतंत्रता की गारंटी देना।

3. अल्पसंख्यकों, पिछड़े और जनजाति वाले क्षेत्रों, दलित और अन्य वर्गों के लिए सुरक्षा के समुचित उपाय करना।

1. Establishment of a sovereign independent India and all its parts and organs of government receiving all types of power and authority from the people.

2. To guarantee to all the people of India social, economic and political justice, equality of status and opportunity before the law, freedom of thought, expression, belief, faith, worship, association and action within the limits of law and public morality.

3. To take appropriate security measures for minorities, backward and tribal areas, Dalits and other classes.

खंड- ग (स्रोत आधारित प्रश्न) 3×4=12

Section-c (Source Based Question)

प्रश्न28.1 रानी कमलावती ने राजा को संसार त्यागने के लिए समझाया।

Queen Kamalavati convinced the king to renounce the world.

प्रश्न 28.2 धम्म का तात्पर्य “सत्य” से है, जो किसी को बचा सकता है, और कुछ नहीं। शिष्य महावीर के उपदेशों का पालन कर रहा था।

Dhamma refers to the "truth" that can save one, and nothing else. The disciple was following the teachings of Mahavir.

प्रश्न 28.3 जिसने सांसारिक सुखों को त्याग दिया है, वह हवा की तरह बहेगा और पक्षी की तरह बिना किसी चिंता के उड़ेगा। वह चाहते थे कि लोग हर चीज़ से अलग हो जाएं, जो सुख देता है और इच्छा पैदा करता है उसे छोड़ दें।

He who has renounced worldly pleasures will flow like the wind and fly like a bird without any worries. He wanted people to detach from everything, to give up that which gives pleasure and creates desire.

प्रश्न 29.1 कराईकल अम्मैय्यर ने सुंदरता को “पे” या डेमोनेस” के रूप में व्यक्त किया।

Karaikal Ammaiyar expressed beauty as “pay” or “demonness”.

प्रश्न 29.2 कवि पागल हो गया था क्योंकि वह भगवान शिव की भक्ति में चिल्ला रही थी और विलाप कर रही थी और वह उसे अलंकाडु में बेसब्री से खोज रही थी और इसलिए उसकी उपस्थिति “उभरी हुई नसें, उभरी हुई आंखें, सफेद दांत और सिकुड़ा हुआ पेट” बन गई थी।

The poet had gone mad because she was screaming and wailing in devotion to Lord Shiva and she was desperately searching for him in Alankadu and

hence her appearance became bulging veins, bulging eyes, white teeth and shrunken stomach.

प्रश्न 29.3. इस वाक्यांश से यह अनुमान लगाया जाता है कि भगवान शिव अलंकाडु में नृत्य कर रहे थे, जहां उनके उलझे हुए बाल हवा में स्वतंत्र रूप से घूमते हुए उनके अंगों के साथ नृत्य करते हुए सभी आठ दिशाओं में फेंके गए थे।

From this phrase it is inferred that Lord Shiva was dancing in Alankadu, where his matted hair was thrown in all the eight directions while dancing with his limbs moving freely in the air.

प्रश्न 30.1 ब्रिटिश/ British

प्रश्न 30.2. अंग्रेज नहीं चाहते थे कि भारतीय एकजुट हों, उन्होंने अपने आसान प्रशासन के लिए फूट डालो और राज करो की नीति लागू की और उन्होंने एक विभाजन पैदा किया जिसने लोगों/पूरे राष्ट्र के जीवन को प्रभावित किया और इसलिए इससे बाहर निकलने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

The British did not want Indians to be united, they implemented the policy of divide and rule for their easy administration and they created a division which affected the lives of the people/ whole nation and hence emphasized the need to come out of it Went.

प्रश्न 30.3. वह हमारे देश के लोगों से आग्रह कर रहे थे कि वे अंग्रेजों द्वारा छोड़ी गई 'अलगाव'/फूट डालो और राज करो की नीति' को न अपनाएं।

He was urging the people of our country not to adopt the policy of 'alienation'/divide and rule left by the British.

खंड-घ (निबंधात्मक प्रश्न) 3×8=24

Section-D (Essay Type Question)

प्रश्न 31. हड़प्पाई लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। उत्खनन के दौरान अनाज के दानों का पाया जाना इस ओर संकेत करता है। किंतु कृषि की विधियों का

स्पष्ट जानकारी नही मिली है। खेतों के जोतने के संकेत कालीबंगन से मिले है मुहरों पर वृषभ का चित्र पाया जाना भी इस ओर ही संकेत करता है। इस आधार पर पुरातत्वविद अनुमान लगाते हैं कि खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था कई स्थलों से मिट्टी के बने हल भी मिले हैं। ऐसे भी प्रमाण मिले हैं, जिससे यह पता चलता है कि दो फसलें एक साथ भीउगाया जाती थीं।

मुख्य कृषि उपकरण कुदाल थी तथा फसल काटने के लिए लकड़ी के हत्थों पर पत्थर या धातु के फलक लगाए जाते थे। अधिकांश हड़प्पा क्षेत्रों में सिंचाई के साधनों को विकसित किया गया था क्योंकि यह क्षेत्र अर्ध शुष्क प्रवृत्ति का है। सिंचाई के मुख्य साधन नहर और कुएँ थें। अफगानिस्तान में नहरों के अवशेष मिले हैं। प्रायः सभी जगह कुएँ मिले हैं और धौलावीरा में जलाशय मिला है। संभवतः सिंचाई हेतु इसमें जल संचय किया जाता होगा।

The main occupation of the Harappan people was agriculture. The finding of grain grains during excavation indicates this. But clear information about the methods of agriculture has not been received. Signs of plowing of fields have been found from Kalibangan. The picture of Taurus found on seals also indicates this. On this basis, archaeologists estimate that oxen were used to plow the fields. Plows made of clay have also been found at many sites. Evidence has also been found which shows that two crops were grown simultaneously.

The main agricultural tool was the hoe and stone or metal blades were attached to wooden handles for harvesting crops. Irrigation in most Harappan areas.

The means were developed because this area is semi-arid in nature. The main means of irrigation were canals and wells. Remains of canals have been found in Afghanistan. Wells have been found almost everywhere and a reservoir has been found in Dholavira. Probably water would have been stored in it for irrigation.

अथवा/OR

हड़प्पा सभ्यता का सामाजिक जीवन :-

⁎ हड़प्पा सभ्यता में परिवार ही सामाजिक इकाई थी।

⁎ समाज मातृसत्तात्मक था ।

⁎ हड़प्पा सभ्यता के लोग शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार के भोजन करतेथे।

⁎ खुदाई से प्राप्त सुइयों के अवशेष से पता चलता है कि वे लोग सिले वस्त्र पहनते थे ।

⁎ स्त्रियां जूड़ा बांधती थी, पुरूष लम्बे लम्बे बाल तथा दाढ़ी-मूंछ रखते है।

हड़प्पा सभ्यता का आर्थिक जीवन:-

हड़प्पा सभ्यता की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषिप्रधान अर्थव्यवस्था थी किन्तु व्यापार और पशुपालन का प्रचलन भी था। सिधुं क्षेत्र की उर्वरता का एक प्रमुख कारण सिधुं नदी से आने वाली बाढ़ भी थीं। यहाँ के लोग गेहूं, जौ, राई, मटर, ज्वार आदि अनाज पैदा करते थे। हड़प्पा सभ्यता मे सव्रप्रथम कपास की खेती प्रारंभ की गई। अन्न भंडारो का निर्माण एक प्रमुख विशेषता थी। इसके आलावा कुत्ते, मुर्गियां, बैल, गाय, भैंस, बकरी, भेड़, सूअर आदि पाले जाते थे। यह लोग दूध, मांस तथा कृषि के कार्यों और भार ढोने के लिए इनका प्रयोग करते थे

Social life of Harappan civilization:-

• Family was the social unit in the Harappan civilization.

• The society was matriarchal.

• People of Harappan civilization ate both vegetarian and non-vegetarian food.

The remains of needles recovered from the excavation show that they used to wear stitched clothes.

Women wore braids, men had long hair and beards and moustaches.

Economic life of Harappan civilization:-

The economy of the Harappan civilization was mainly agrarian, but trade and animal husbandry were also prevalent. One of the main reasons for the fertility of the Indus region was the floods coming from the Indus River. The people here used to grow grains like wheat, barley, rye, peas, jowar etc. In the Harappan civilization, cotton cultivation was first started and construction of granaries was a major feature. Apart from this, dogs, chickens, bulls, cows, buffaloes, goats, sheep, pigs etc. were reared. These people used them for milk, meat and agricultural purposes and for carrying loads.

प्रश्न 32. कबीर- कबीर जी संत कवियों मे विशेष ध्यान रखते थे। उनके मुख्य उपदेश नि.लि. थे-

1.उन्होने बहुदेववाद तथा मूर्ति पूजा का खंडन किया।

2. "   जिक्र और इश्क़ के सूफी सिद्धांतों के प्रयोग द्वारा नाम सिमरन पर बल दिया।

3. कबीर के अनुसार परम सत्य अथवा परमात्मा एक है, भले ही विभिन्न संप्रदायो के लोग अलग- 2 नामों से पुकारते है।

4.उन्होंने परमात्मा को निराकार बताया | उनके अनुसार भक्ति के माध्यम से मोक्ष अर्थात् मुक्ति प्राप्त हो सकती है।

5.उन्होंने हिंदुओं तथा मुसलमानों दोनों में धार्मिक आडंबरो का विरोध किया।

6. वे जातीय भेदभाव के विरुद्ध थे।

विचारों का संप्रेषण :- कबीर जी ने अपने विचारों को काव्य की आम बोलचाल की भाषा में व्यक्त किया जिसे आसानी से समझा जा सकता था। कभी-2 उन्होंने बीज लेखन की भाषा का प्रयोग भी किया जो कठिन थी। उनके देहांत के बाद उनके अनुयायियों ने अपने प्रचार -प्रसार द्वारा उनके विचारों का संप्रेषण किया।

श्री गुरु नानक देव जी

श्री गुरु नानक देव जी (1469-1539) काजन्म पंजाब के ननकाना साहिब में हुआ। यह स्थान अब पाकिस्तान में है। उन्होंने हिंदी और गणित की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और फारसी और अरबी का भी ज्ञान प्राप्त किया। उनका विवाह छोटी आयु में ही हो गया था। वह अपना अधिकतर समय सूफी तथा भक्ति संतो के बीच बिताते थे। उन्होंने दूर-दूर तक की यात्राएँ भी की। उनके मुख्य उपदेशनि0 लि0 है-

1. उन्होंने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया। उन्होंने धर्म के सभी बाहरी आडंबरो का खंडन किया।

2. उनके लिए परमपूर्ण रब (परमात्मा) का कोई आकार या रूप नहीं था।

3. उन्होंने रब की उपासना के लिए एक सरल उपाय बताया और वह था निरंतर स्मरण व नाम का जाप

विचारों का संप्रेषण :- गुरु नानक देव जी ने अपने विचार पंजाबी भाषा में शब्द के माध्यम से लोगों के सामने रखे। वह ये शब्द अलग-अलग रागों में गाते थे। और उनका सेवक भाई मरदाना रबाब बजाकर उनका साथ देता था।

Kabir- Kabir ji had special attention among saint poets. The main teachings were:

1. He rejected polytheism and idol worship.

2. “He emphasized Naam Simran using the Sufi principles of Zikr and Ishq.

3. According to Kabir, the ultimate truth or God is one, even though people of different sects call him by different names.

4. He described God as formless. According to him, salvation i.e. liberation can be achieved through devotion.

5. He opposed religious ostentation among both Hindus and Muslims.

6. He was against caste discrimination.

Communication of ideas:- Kabir ji expressed his ideas in the colloquial language of poetry which could be easily understood. Sometimes he also used the language of seed writing which was difficult. After his death, his followers communicated his ideas through their propaganda.

Sri Guru Nanak Dev Ji

Sri Guru Nanak Dev Ji (1469-1539) was born in Nankana Sahib, Punjab. This place is now in Pakistan. He received primary education in Hindi and mathematics and also acquired knowledge of Persian and Arabic. He got married at a young age. He spent most of his time among Sufi and Bhakti saints. He also traveled far and wide. His main teachings are-

1. He preached Nirguna Bhakti. He rejected all external ostentation of religion.
2. For them the Supreme Lord (God) had no shape or form.
3. He suggested a simple way to worship God and that was constant remembrance and chanting of the name.

Communication of thoughts:- Guru Nanak Dev Ji expressed his thoughts in words in Punjabi language.

Presented to the people through this medium. He used to sing these words in different ragas and his

Servant Bhai Mardana used to accompany them by playing Rabab.

अथवा/OR

सूफ़ीवाद कई पथों अथवा सिलसिलों में संगठित था। सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है-जंज़ीर, जो शेख और मुरीद के मध्य एक निरन्तर संबंध की परिचायक है। सूफी सिलसिला को मुख्य रूप से दो भागों में विभक्त किया जा सकता हैबा-शरीआ (बा-शरा) और बे-शरिया (बे-शरा) । बा-शरा का अभिप्राय था-इस्लामी कानून अर्थात् शरीआ का पालन करने वाले सिलसिले । बे-शरा का तात्पर्य था – ऐसे सिलसिले जो शरीआ में बँधे हुए नहीं थे। शरीआ की अवहेलना करने के कारण उन्हें बे-शरा के नाम से जाना जाता था।

उल्लेखनीय है कि मुस्लिम समुदाय को निदेर्शित करने वाले कानून को शरीआ कहा जाता है। शरीआ कुरान शरीफ़ तथा हदीस पर आधारित है। हदीस का अर्थ है- पैगम्बर साहब से जुड़ी परम्पराएँ। पैगम्बर साहब के स्मृत शब्द और क्रियाकलाप भी इनके अंतर्गत आते हैं। अरब क्षेत्र के बाहर (जहाँ के आचार-विचार भिन्न थे) इस्लाम का प्रसार होने पर क्रियास अर्थात् सदृशता के आधार पर तर्क तथा इजमा अर्थात् समुदाय की सहमति को भी कानून का स्रोत माना जाने लगा। शरीआ और बा-शरीआ सिलसिलों में कुछ एकरूपताएँ और कुछ अंतर विद्यमान थे।

एकरूपताएँ-

1. दोनों सिलसिले एकेश्वर में विश्वास करते थे। उनके अनुसार अल्लाह एक है । वह सर्वोच्च, सर्वशक्तिशली और सर्वव्यापक है।
2. दोनों अल्लाह के सामने पूर्ण आत्मसमर्पण पर बल देते थे।
3. दोनों पीर अथवा गुरु को अत्यधिक महत्त्व देते थे।
4. दोनों-इबादत अर्थात् उपासना पर अत्यधिक बल देते थे। उनके अनुसार अल्लाह की इबादत करने से ही मनुष्य संसार से | मुक्ति पा सकता था।

अंतर-

1. बा-शरीआ सिलसिले शरीआ का पालन करते थे, किन्तु बे-शरीआ शरीआ में बँधे हुए नहीं थे।
2. बा-शरीआ सूफी सन्त ख़ानक़ाहो में रहते थे। खानकाह एक फ़ारसी शब्द है, जिसका अर्थ है- आश्रम। ख़ानक़ाह में पीर (सूफ़ी संत अर्थात् गुरु) अपने मुरीदों अर्थात् शिष्यों के साथ रहता था। ख़ानक़ाह का नियंत्रण शेख, (अरबी भाषा में) पीर अथवा मुर्शीद (फ़ारसी भाषा में) के हाथों में होता था।

3. बे-शरीआ सूफी संत ख़ानक़ाह का तिरस्कार करके रहस्यवादी एवं फ़कीर की जिन्दगी व्यतीत करते, उन्हें कलन्दर, मदारी, मलंग, हैदरी आदि नामों से जाना जाता था।

4. बा-शरीआ सूफी सन्त गरीबी का जीवन व्यतीत करने में विश्वास नहीं करते थे। उनमें से अनेक ने सल्तनत की राजनीति में भाग लिया और सुल्तानों एवं अमीरों से मेल-जोल स्थापित किया। ऐसे सूफी संत कभी-कभी दरबारी पद भी स्वीकार कर लेते थे।

Sufism was organized into many paths or sequences. The literal meaning of Silsila is chain, which represents a continuous relationship between the Sheikh and the Murid. Sufi order can be mainly divided into two parts: Ba-Sharia (Ba-Sharia) and Ba-Sharia (Ba-Sharia). The meaning of Ba-Shara was - those who follow Islamic law i.e. Sharia. Be-shara meant such matters which were not bound by Sharia. Because of disobeying Sharia, he was known as Be-Shara.

It is noteworthy that the law that guides the Muslim community is Sharia. Sharia is based on Quran Sharif and Hadith. Hadith means traditions related to the Prophet. The remembered words and activities of the Prophet also come under these. When Islam spread outside the Arab region (where the morals were different), Kriyas i.e. reasoning based on analogy and Ijmaa i.e. the consensus of the community also started being considered as the source of law. There were some similarities and some differences between the Sharia and Ba-Sharia sequences.

Uniformities-

1. Both Silsilas believed in one God. According to them Allah is one. He is supreme, omnipotent and omnipresent.

2. Both emphasized on complete surrender before Allah.

3. Both attached great importance to the Pir or Guru.

4. Both laid great emphasis on worship. According to him, man could attain freedom from the world only by worshiping Allah.

Difference-

1. Ba-Sharia groups followed Sharia, but non-Sharia were not bound by Sharia.

12. Ba -Sharia Sufi saint lived in Khankaho. Khanqah is a Persian word, which means hermitage. In Khanqah, Pir (Sufi saint i.e. Guru) lived with his murids i.e. disciples. The control of Khanqah was in the hands of Sheikh, (in Arabic language) Pir or Murshid (in Persian language).

3. Non-Sharia Sufi saints despised Khanqahs and lived the life of mystics and fakirs, they were known by the names Qalandar, Madari, Malang, Haidari etc.

4. Ba-Sharia Sufi saints did not believe in leading a life of poverty. Many of them participated in the politics of the Sultanate and established relations with the Sultans and Amirs. Such Sufi saints sometimes even accepted court posts.

प्रश्न 33. सामाजिक कारण-

1. 1813 ई० में इसाई मिशनरियों को भारत आने का मौका मिला | इसके बाद ये इसाई मिशनरियां भारत में जगह-जगह अपनी संस्थाएँ स्थापित करने लगीं | इससे भारतीयों में यह आशंका उभरने लगी कि अंग्रेज कहीं न कहीं हमें इसाई धर्म में परिवर्तित करने के लिए प्रयत्नशील हैं | इसी बीच अंग्रेजों ने यह विचार किया कि उच्च शिक्षण समितियों में अंग्रेजी को माध्यम बनाया जाना चाहिए |

2.भारत में जैसे-जैसे ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार होता गया वैसे-वैसे अंग्रेज अपनी नृजातीय श्रेष्ठतापर बल देने लगे और भारतीयों को असभ्य कहने लगे | अंग्रेज भारतीयों को सभ्य बनाना अपना उत्तरदायित्व समझने लगे थे| अंग्रेजों ने तमाम ऐसे प्रयास किये जिससे भारतीयों को सभ्य बनाया जा सके, जैसे सती प्रथा पर प्रतिबंध, बाल विवाह का निषेध, विधवा पुनर्विवाह आदि |

3.अंग्रेजों का कहना था कि हम भारतीयों पर शासन अपने लिए नहीं कर कर रहे हैं, बल्कि हम यह शासन भारतीयों को सभ्य बनानेके लिए कर रहे हैं।

भारतीयों को ये सभी बातें नागवार गुजरने लगीं । अंग्रेज भारत में काले-गोरे का भेद खुल कर करने लगे थे |

आर्थिक कारण-

1. भारत में कम्पनी की सभी नीतिया के मूल में भारत का आर्थिक शोषण कर अपना मुनाफा बढ़ाना था। इस प्रकार ईस्ट इण्डिया कम्पनी एवं भारतीय जनमानस के हितों के मध्य एक स्वाभाविक संघर्ष था।
2. स्थायी बन्दोबस्त, रैयतवाड़ी व्यवस्था और महालवाडी व्यवस्था द्वारा किसानों का जबरदस्त शोषण हुआ और वे निर्धनता के कुचक्र में फँस गए।
3. आर्थिक शोषण और उसके पारम्परिक आर्थिक ढाँचे के पूर्णतया विनाश ने किसानों, दस्तकारों, हस्तशिल्पकारों तथा बड़ी संख्या में परम्परागत जमींदारों को दरिद्र बना दिया।
4. भारत से इंग्लैण्ड को निर्यात होने वाली मलमल एवं कैलिको सूती पर जहाँ क्रमश 27%, 71% एवं रेशमी कपड़ों पर 90% कर लिया जाता वहीं भारत में आने वाले अंग्रेजी सूती और रेशमी वस्त्र पर 3.5% और गर्म कपड़े पर 2% कर था।
5. अंग्रेजों की इस नीति का परिणाम यह हुआ कि इंग्लैण्ड में भारत का सूती और रेशमी कपड़ा जाना बन्द हो गया। इसका भारत के कपड़ा उद्योग पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा।

Social reasons-

1. In 1813 AD, Christian missionaries got a chance to come to India. After this, these Christian missionaries started establishing their institutions at various places in India. Due to this, a fear began to emerge among Indians that the British were somewhere trying to convert us to Christianity. Meanwhile, the British thought that English should be made the medium of instruction in higher educational institutions.

2. As the British Empire expanded in India, the British started emphasizing their ethnic superiority and started calling Indians uncivilized. The British started considering it their responsibility to civilize the Indians. The British made many efforts to civilize Indians, such as banning the practice of Sati, prohibition of child marriage, widow remarriage, etc.

3. The British said that we are not ruling the Indians for ourselves, but we are ruling them to civilize the Indians. All these things became distasteful to the Indians. The British had started openly discriminating between blacks and whites in India. commercial purpose-

1. The core of all the company's policies in India was to increase its profits by economically exploiting India. Thus, there was a natural conflict between the interests of the East India Company and the Indian people.

2. Farmers were greatly exploited by the Permanent Settlement, Ryotwari system and Mahalwadi system and they got trapped in the vicious cycle of poverty.

3. Economic exploitation and complete destruction of its traditional economic structure impoverished farmers, artisans, handicraftsmen and a large number of traditional landlords.

4. While 27%, 71% tax was levied on muslin and calico cotton exported from India to England and 90% tax was levied on silk clothes respectively, the duty on goods coming to India was there was a tax of 35% on English cotton and silk clothes and 2% on warm clothes.

5. The result of this policy of the British was that Indian cotton and silk cloth stopped going to England. This had a very bad impact on India's textile industry.

अथवा/OR

1857ई0 के विद्रोह के स्वरुप:-

(क) सैनिक विद्रोह-

(अ) 1857 के विद्रोह की प्रमुख आधारभूमि सैनिकों द्वारा तैयार की गयी थी।

(ब) विद्रोह का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथा तात्कालिक कारण चर्बीवाले कारतूसों का मामला था।

(स) विद्रोह का प्रसार संपूर्ण देश में नहीं हुआ। यह उन्हीं नगरों एवं क्षेत्रों तक सीमित रहा जहाँ सैनिक चौकियाँ और छावनियाँ थी।

(द) विद्रोह का दमन करने में ब्रिटिश सरकार को अधिक कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ा, क्योंकि इसे सामान्यजनों का सहयोग एवं समर्थन प्राप्त नहीं था।

(ख) प्रथम स्वतंत्रता संग्राम:-

(अ) लाखों कारीगरों, किसानों और सिपाहियों ने कन्धे से कन्धा मिलाकर ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ संघर्ष किया। घुमक्कड सन्यासियों, फकीरों एवं मदारियों द्वारा गांव-गांव में इसका प्रचार-प्रसार किया।

(ब) आंदोलन में हिन्दू-मुसलमानों ने एकजुट होकर भाग लिया। सभी विद्रोहियों में एक मत से बहादुरशाह को अपना सम्राट स्वीकार किया।

(स) विद्रोह के लगभग सभी केन्द्रों में जनसाधारण ने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध सक्रिय भाग लिया।

(द) विद्रोह का क्षेत्र काफी व्यापक था। अनेक देशी रियासतों एवं राज्यों में शासक वर्ग के ब्रिटिश सत्ता के सहयोग एवं समर्थक बने रहने पर भी सेना एवं जनता द्वारा विद्रोह में सक्रिय भाग लिया था।

Nature of the rebellion of 1857:-

(A) Military rebellion-

(a) The main basis of the rebellion of 1857 was prepared by the soldiers.

(b) The most important and immediate cause of the rebellion was the issue of greased cartridges.

(c) The rebellion did not spread throughout the country. It remained limited to those cities and areas where there were military posts and cantonments.

(d) The British government did not face much difficulty in suppressing the rebellion, because it.

There was no cooperation and support from the common people.

(B) First freedom struggle:-

(a) Lakhs of artisans, farmers and soldiers fought shoulder to shoulder against British rule. It was propagated in every village by wandering ascetics, fakirs and madaris.

(b) Hindus and Muslims unitedly participated in the movement. Bahadur Shah was unanimously adopted among all the rebels the emperor accepted.

(c) In almost all the centers of rebellion, the common people took active part against the British rule.

(d) The area of rebellion was quite wide. In many native princely states and states, the ruling class cooperated with the British government and Despite being supporters, the army and the public took active part in the rebellion.

प्रश्न 34. **मानचित्र कार्य**

Map Work

34.1 (अ) कालीबंगा, एक हड़प्पाकालीन स्थल

(ब) साँची, एक बौद्ध स्थल।

(स) अजंता, एक बौद्ध स्थल

34.1 (a) Kalibanga, a Harappan site

(b) Sanchi, a Buddhist place.

(c) Ajanta, a Buddhist site

34.2 A. हड़प्पा

B. लोथल

34.2 A. Harappa

B. Lothal